



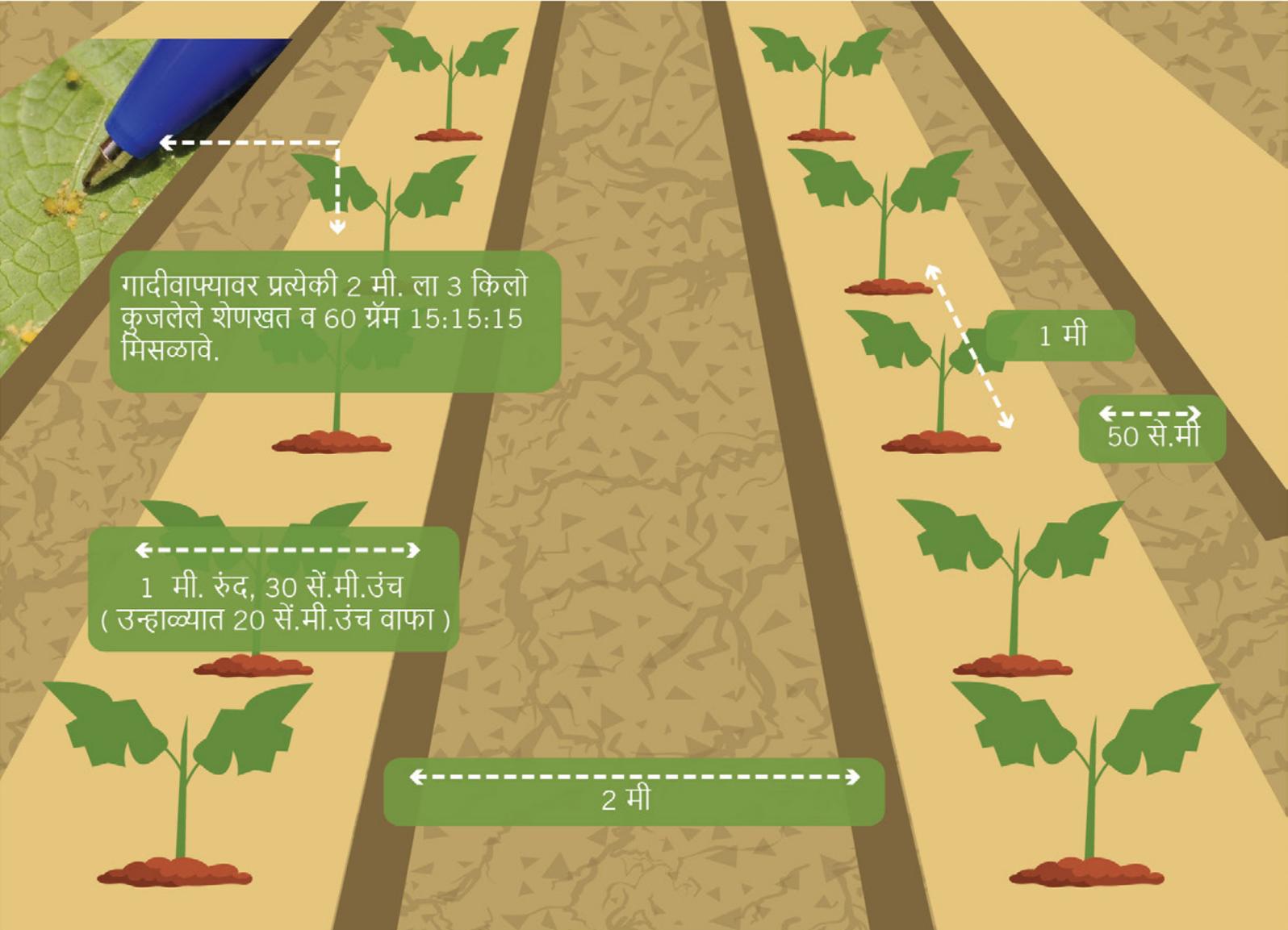
पिक लागवड मार्गदर्शिका. दोडका

• मशागत आणि पूर्वतयारी.

- » अरुंद रस्त्यामुळे पाणी देण्यास व निचरा होण्यास मदत होते.
- » तण निवारण तसेच मृदेची आद्रता टिकवून ठेवण्यासाठी प्लास्टिक किंवा ऑर्गॅनिक मल्लिंगचा वापर करावा.
- » लागवडी अगोदार मंडप करावा
- » 4,400 झाडे/प्रति हेक्टर (प्रत्येक मौसमानुसार आणि झाडांच्या प्रकारानुसार झाडांची संख्या कमीजास्त करावी.



MARATHI



• रोप तयार करणे

- ◆ मेडिया तयार करणे , १० मिनिट तापवणे किंवा उन्हात अर्धा दिवस वळवणे.



1 ते 2 भाग माती



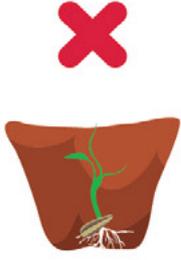
1 भाग चांगले कुजलेले शेणखत



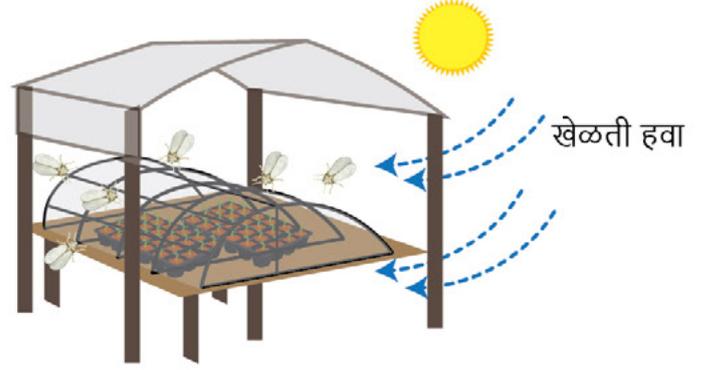
1 भाग वाळू किंवा
भाताचा जळलेला भुसा



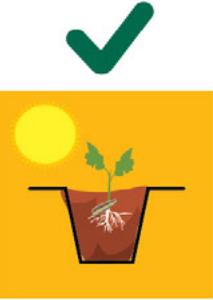
- ◆ बियाणे पेरून/लावून संरक्षित जागी ठेवावेत



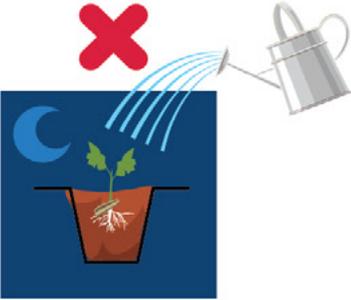
बियाणे लागवड पाऊण इंच खोल करावी



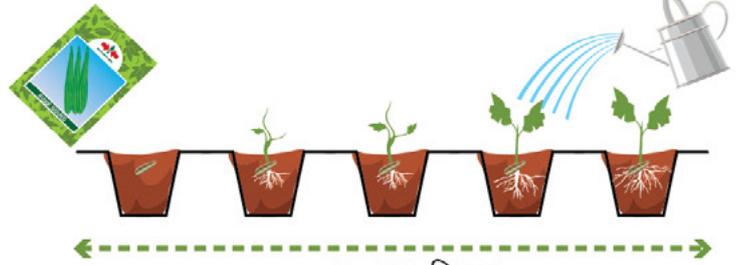
- ◆ सतत ओलावा ठेवावा.



सकाळी

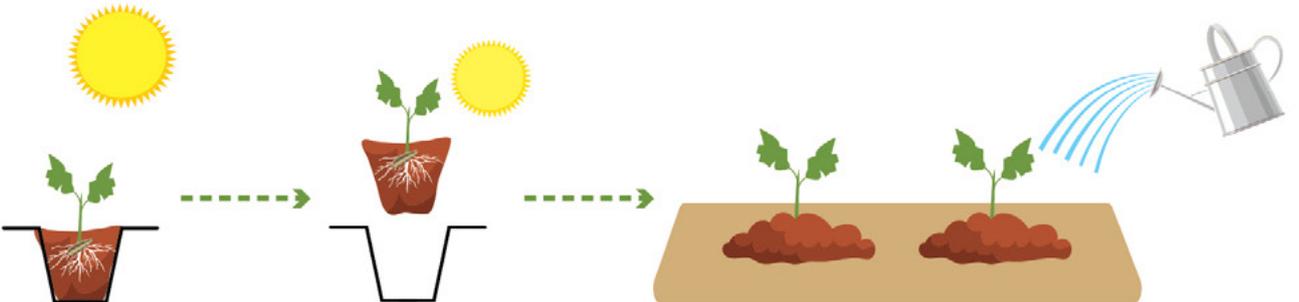


सायंकाळी



8 - 10 दिवस

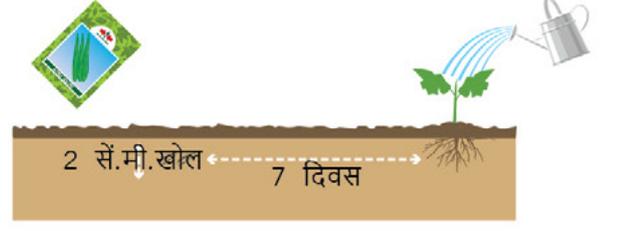
- ◆ नर्लागवडीपूवी 2 ते 3 दिवस आधी पाणी अंशतः कमी करून रोपांना भरपूर सूर्यप्रकाश देणे.



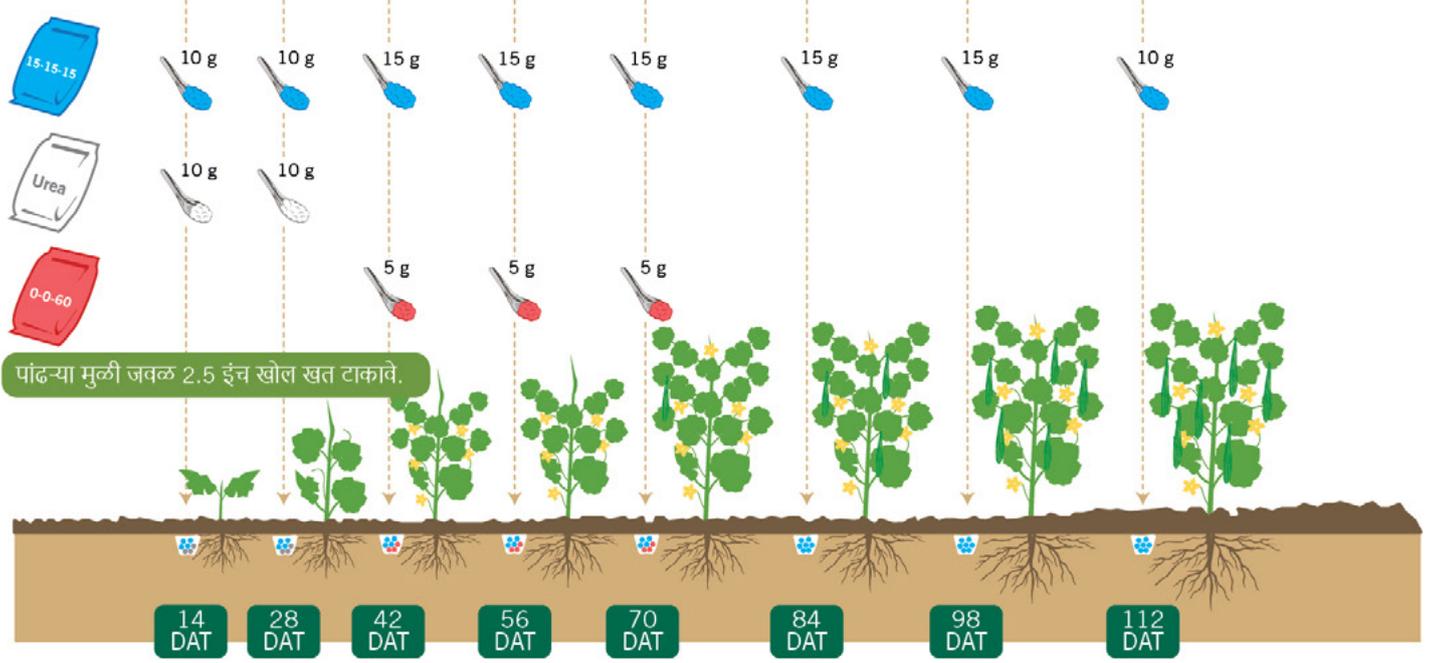
• लागवड



» प्रत्येक जागेवर २ बियाणे लावावे व नंतर १ झाड १० सें.मी. झाल्यानंतर उपटून टाकावे.



• खताचा वापर



वरील उपचार, रोपांची संख्या प्रति हेक्टर २६,६०० व रोपांना लागणारे योग्य पोषण यावर अवलंबून आहे. हंगामानुसार, मातीच्या स्थितीनुसार आणि रोपाच्या वाढीच्या स्थितीनुसार खताचे प्रमाण कमी जास्त करावे.

• Integrated Pest Management



» किटाकांचे निरीक्षण करण्यासाठी चिकट सापळ्याचा वापर करा
» सुरवंटासाठी गोड सापळे किंवा प्रकाश सापळे वापरा



कीड व रोग प्रादुर्भाव टाळण्यासाठी स्वच्छता मोहीम पाळावी. व कीड / रोगग्रस्त पाने, फळे व झाड काढून नष्ट करावीत.



पीक फेरपालट साखळी कीड / रोग व जमिनीची सुपीकता टिकवण्यासाठी आवश्यक.

एकात्मिक कीट प्रबंधन आणि कीटकनाशकांचा सुरक्षित वापर

- » प्रतिकारशक्ती टाळण्यासाठी वैकल्पिक रसायने वापरावे
- » कीटकनाशकांवरील लेबल काळजीपूर्वक वाचा आणि वापर करा

कीटक व कीटकांचे प्रकार.



मावा

पांढरी माशी

अळी

नागअळी

बीटल

फळमाशी

| क्रियाशील घटक. | मोवा | प्रतिबंधित | मावा | पांढरी माशी | अळी | नागअळी | बीटल | फळमाशी |
|-----------------------|------|--------------|------|-------------|-----|--------|------|--------|
| ल्याम्डा - सायलोथ्रीन | 3A | SC | ✓ | ✓ | ✓ | ✓ | ✓ | |
| डायनोटेफुरान | 4A | S | ✓ | ✓ | | ✓ | | ✓ |
| स्पिनोसॅड | 5 | S | | | ✓ | ✓ | | ✓ |
| स्पिनोटोरम | 5 | SC | | | ✓ | ✓ | | ✓ |
| अब्याम्याक्टीन | 6 | SC (थोडे S) | | | ✓ | ✓ | ✓ | |
| थायोसायक्लेम ऑक्सलेट | 14 | SC | ✓ | ✓ | | ✓ | | |
| क्लोरानट्रानिलीप्रोल | 28 | S | | | ✓ | | | |
| फ्लूबेंडीअमाईड | 28 | S | | | ✓ | | | ✓ |
| बॅसिलस थुरेंजिनीसीस | 11A | C | | | ✓ | | | |
| अॅड्रिक्टिन(नीम अर्क) | UN | माहित नसलेले | ✓ | ✓ | ✓ | ✓ | ✓ | ✓ |

आय आर ए सीकडून आलेल्या कृतीवर आधारित प्रकार(MoA); SC (पचन + स्पर्श); S (अंतरप्रवाही)

रोगांचे प्रकार



गमी स्टेम ब्लॉइट

भुरी रोग

भुरीरोग

विषाणूजन्य

| क्रियाशील घटक. | मोवा | प्रतिबंधित | बहुउद्देशीय | गमी स्टेम ब्लॉइट | भुरी रोग | भुरीरोग | विषाणूजन्य |
|-----------------------|------|------------|-----------------------------------------------------------|------------------|----------|---------|-----------------------------------------------------------|
| तांब्रयुक्त बुरशीनाशक | M 01 | P | | ✓ | ✓ | ✓ | मावा, पांढरी माशी यासारख्या फळकृमींसारखे कीट प्रबंधन करते |
| क्लोरोथालोनील | M 05 | P | | ✓ | ✓ | ✓ | |
| मान्कोझेब | M 03 | P | | ✓ | ✓ | ✓ | |
| अझोक्सीस्ट्रोबिन | 11 | P + C | एका हंगामात जास्तीत जास्त चार वेळा वापरावे | ✓ | ✓ | ✓ | |
| प्रोपामोकाब | 28 | P + C | | | | ✓ | |
| सायमोक्झिनिन | 27 | C | प्रतिबंधात्मक (क्लोरोथोबोनिन किंवा मान्कोझेब) एकत्र करावे | | | ✓ | |
| मेटालेक्झील | 4 | P + C | प्रतिकार क्षमता वाढण्याची शक्यता (फक्त २ वेळा वापरावे) | | | ✓ | |
| बॅसिलस सबटीलीस | BM02 | P | | | ✓ | ✓ | |

Mode of Action (MoA) = क्रियेचा प्रकार; p = आजाराची लक्षण न आढळल्यास, c = रोगनिवारक

- सुरक्षिततेची काळजी घ्यावी.
- चांगले हवामान.
- चांगले नोजल (तुषार)
- फवारणी नंतर हात धुवा.



<https://growhow.eastwestseed.com>

कॉपीराइट East 2021 ईस्ट-वेस्ट सीड फाउंडेशन द्वारे. सर्व हक्क राखीव.
वॅगनिंगन विद्यापिठ आणि संशोधन यांच्याकडून कृषीरसायनांच्या शिफारसी करण्यात आल्या आहेत.